www.BibleForChildren.org

मत्ती 8

फिर तीसरो दिन गलील प्रदेश को काना नगर म एक बिहाव होतो, अऊर यीशु की माय भी उत होती। यीशु अऊर ओको चेला भी ऊ बिहाव म निमन्त्रित होतो।

जब अंगूररस खतम भय गयो, त यीशु की माय न ओको सी कह्यो, “उन्को जवर अंगूरीरस नहीं रह्यो।” यीशु की माय न सेवकों सी कह्यो, “जो कुछ ऊ तुम सी कहेंन, उच करो।”

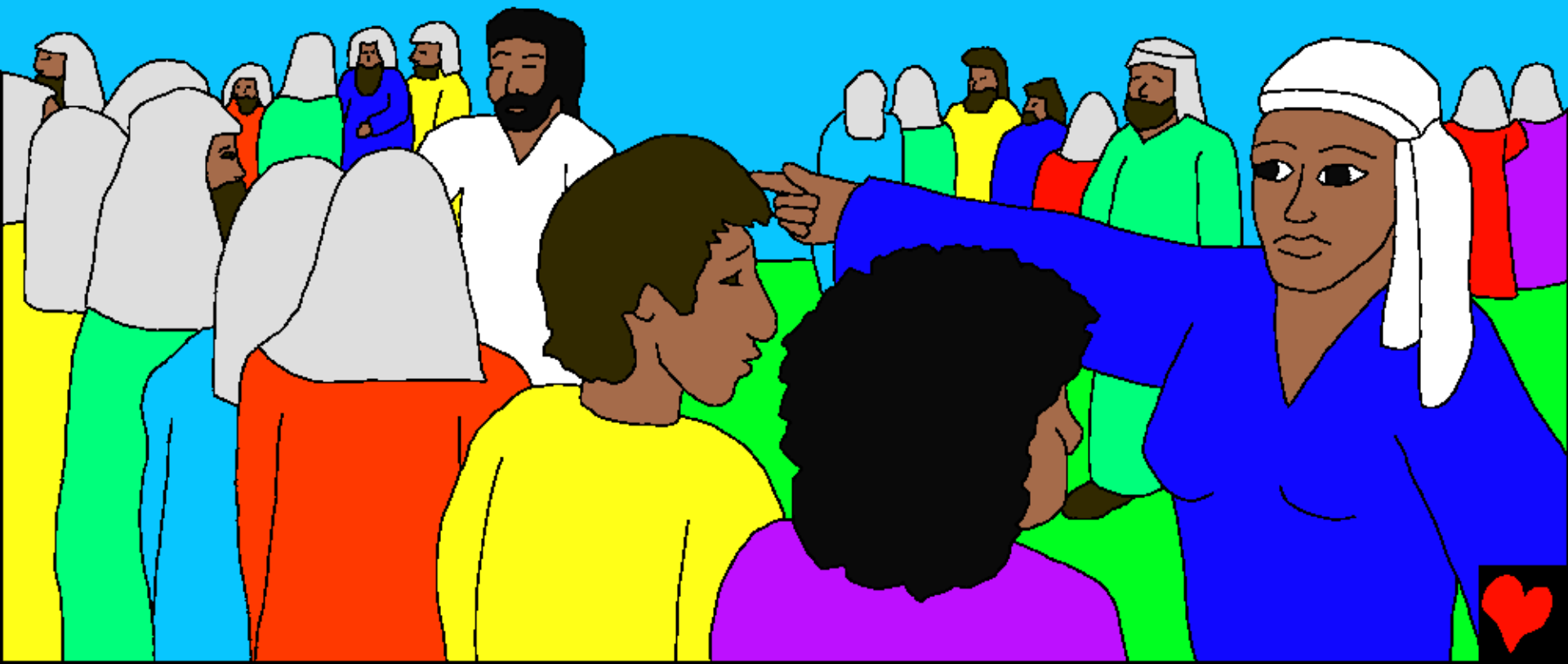

यीशु न सेवकों सी कह्यो, “घड़ा म पानी भर देवो।” उन्न उन्ख लबालब भर दियो। तब ओन उन्को सी कह्यो, “थोड़ो सो पानी निकाल क भोज को मुखिया को जवर ले जावो।” अऊर हि ले गयो।

जब भोज को मुखिया न ऊ पानी चख्यो, जो अंगूररस बन गयो होतो अऊर नहीं जानत होतो कि ऊ कित सी आयो हय पर जिन सेवकों न पानी निकाल्यो होतो
हि जानत होतो, त भोज को
मुखिया न दूल्हा ख बुलायो, . . .

. . . अऊर ओको सी कह्यो “हर एक आदमी पहिले अच्छो अंगूररस
देवय हय, अऊर जब लोग पी क सन्तुष्ट होय जावय हंय, तब फिको
देवय हय; पर तय न अच्छो अंगूररस
अभी तक रख्यो हय।”

यीशु न गलील को काना नगर म
अपनो यो पहिलो चिन्ह
चमत्कार दिखाय क अपनी
महिमा प्रगट करी अऊर ओको
चेलावों न ओको पर विश्वास
करयो।

यीशु जब पतरस को घर आयो, त ओन
पतरस की सासु ख बुखार म पड़ी देख्यो।

यीशु न ओको हाथ छूयो अऊर ओको बुखार उतर गयो, अऊर वा उठ क ओकी सेवा-भाव करन लगी।

शाम को समय जब सूरज डुब गयो त लोग सब बीमारों ख अऊर उन्ख, जेको म दुष्ट आत्मायें होती, यीशु को जवर लायो। अऊर नगर को सब लोग फाटक को बाहेर जमा भयो।

यीशु न बहुत सो ख जो कुछ तरह की बीमारी सी जकड़्यो हुयो होतो, उन्ख चंगो करयो, अऊर बहुत सी दुष्ट आत्मावों ख निकाल्यो, अऊर दुष्ट आत्मावों ख बोलन नहीं दियो, कहालीकि हि ओख जानत होती की ऊ कौन आय।

सब ओख छूवनो चाहत होतो, कहालीकि ओको म सी सामर्थ निकल क सब ख चंगो करत होती।

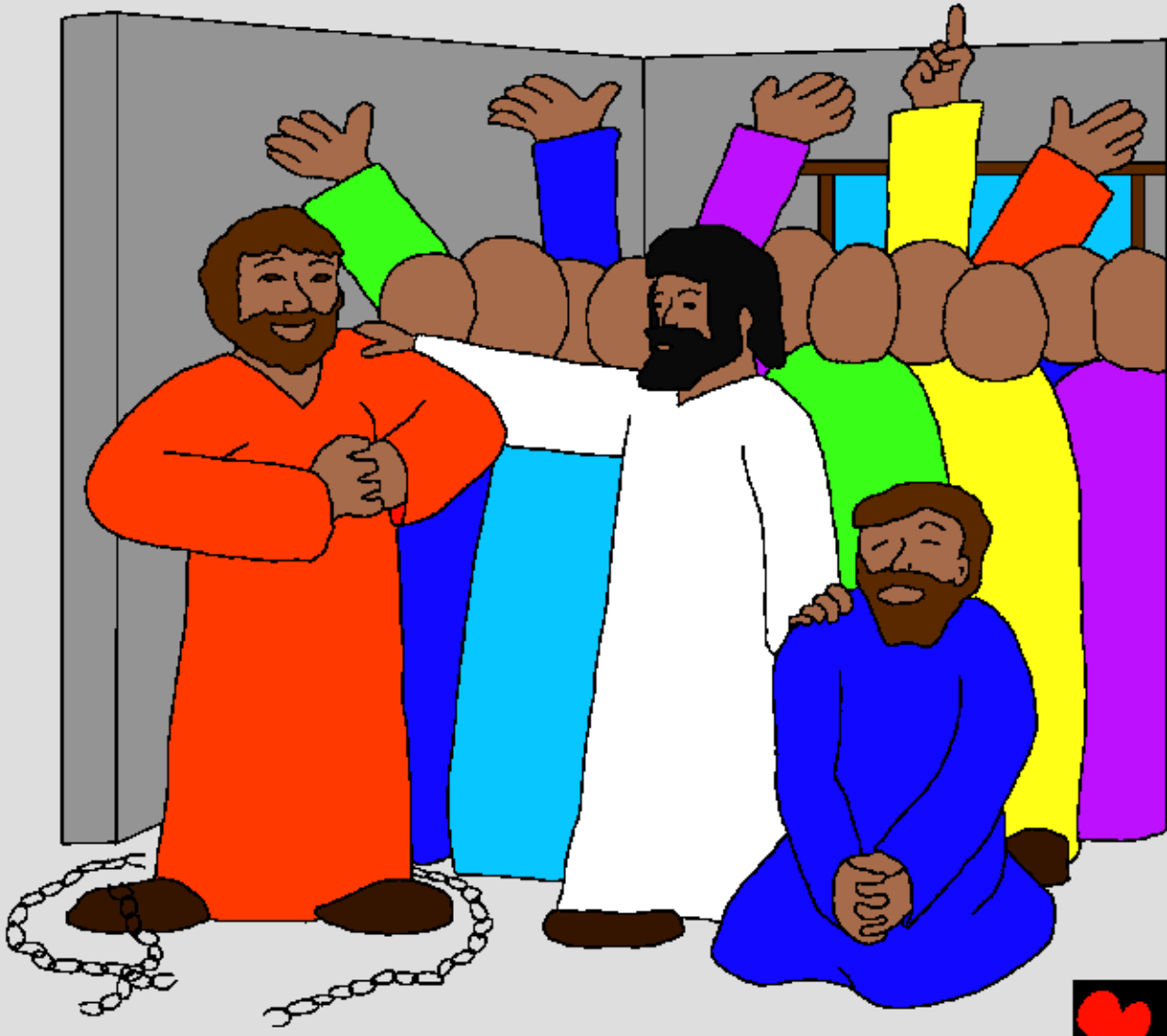

अऊर लोग एक लकवा को रोगी ख चार आदमी सी उठाय क यीशु को जवर लायो।

पर जब हि भीड़ को वजह सी ओको जवर नहीं पहुंच सक्यो। त उन्न ऊ घर को ऊपर को छत ख जित यीशु होतो खोल दियो। अऊर जब हि छत ख उधड़ दियो, त वा खटिया ख जेको म लकवा को रोगी पड़यो होतो, ओख छत पर सी जमीन पर उतार दियो।

यीशु न, उन्को विश्वास
देख क ऊ लकवा को
रोगी सी कह्यो, “हे बेटा,
तोरो पाप माफ भयो।”
“मय तोरो सी कहूं हय,
उठ, अपनी खटिया
उठाय क अपनो घर
चली जा।”

जब यीशु डोंगा पर चढ़्यो, त ओको चेला ओको पीछू गयो। अऊर देखो, झील म अचानक असो बड़ो तूफान उठ्यो कि डोंगा लहर सी दबन लग्यो, पर यीशु सोय रह्यो होतो।

यीशु न उन्को सी कह्यो, “हे अविश्वासियों, कहाली डरय हय?” तब ओन उठ क आन्धी अऊर पानी ख डाट्यो, अऊर सब शान्त भय गयो। अऊर हि अचम्भा कर क् कहन लग्यो, “यो कसो आदमी आय कि आन्धी अऊर पानी भी ओकी आज्ञा मानय हंय।”

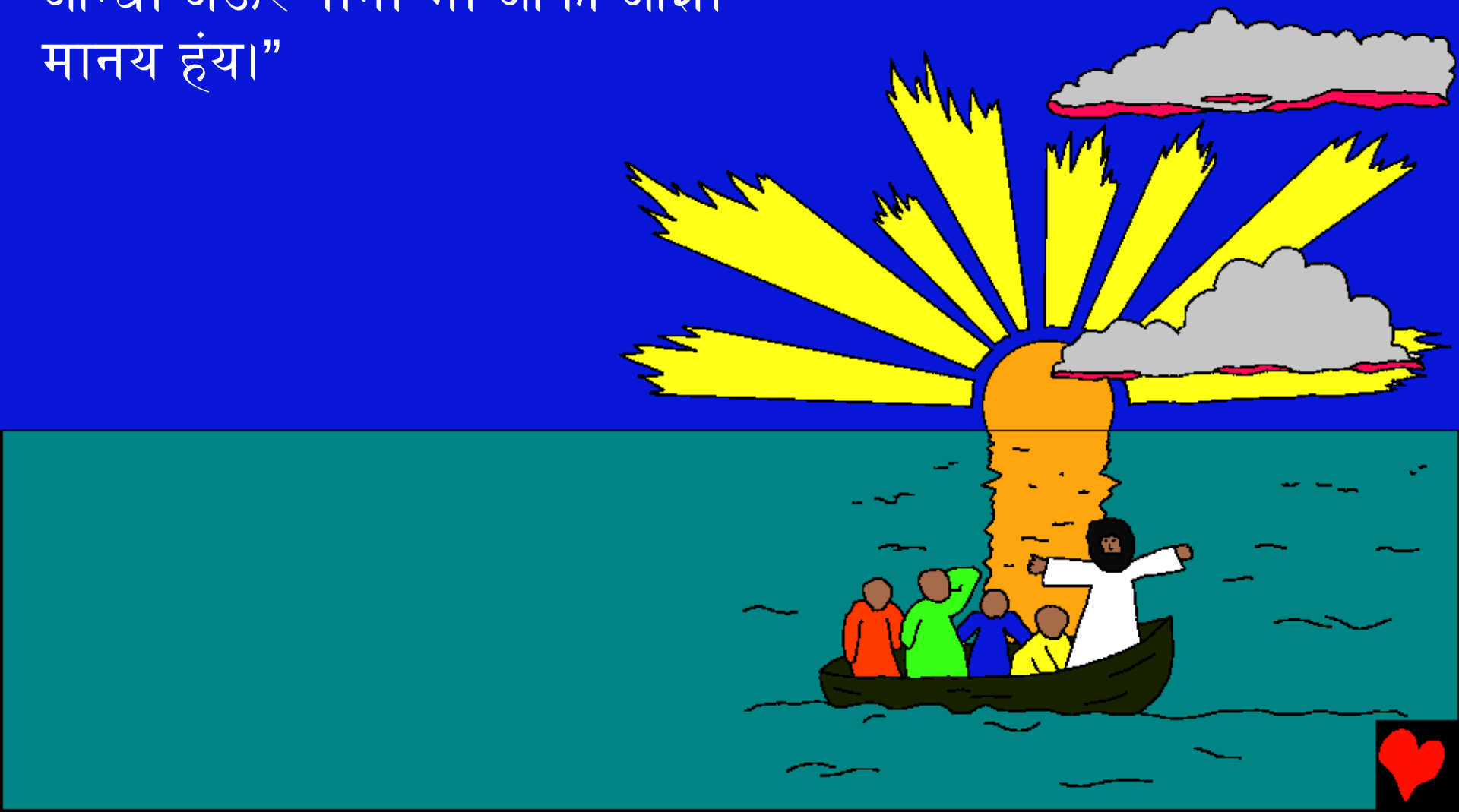

“कहालीकि परमेश्वर न जगत सी असो प्रेम करयो कि ओन अपनो एकलौतो टुरा दे दियो, ताकि जो कोयी ओको पर विश्वास करेंन त ऊ नाश नहीं होयेंन, पर अनन्त जीवन ख प्राप्त करेंन।”

रोमियों 3:23 येकोलायी कि सब न पाप करयो हय अऊर परमेश्वर की महिमा सी दूर होय गयो हंय,

रोमियों 6:23 कहालीकि पाप की मजूरी त मृत्यु हय, पर हमरो परमेश्वर की भेंट प्रभु मसीह यीशु म अनन्त जीवन हय।

इब्रानियों 9:27 अऊर जसो आदमियों को लायी एक बार मरनो अऊर परमेश्वर को द्वारा न्याय को होनो जरूरी हय,

इफिसियों 2:8,9 कहालीकि विश्वास को द्वारा अनुग्रह सीच तुम्हरो उद्धार भयो हय; अऊर यो तुम्हरो तरफ सी नहीं, बल्की परमेश्वर को दान आय, अऊर नहीं कर्मों को वजह, असो नहीं होय कि कोयी घमण्ड करे।

रोमियों 10:9,10 कि यदि तय अपनो मुंह सी यीशु ख प्रभु जान क अंगीकार करे, अऊर अपनो मन सी विश्वास करे कि परमेश्वर न ओख मरयो हुयो म सी जीन्दो करयो, त तय पक्को उद्धार पायजो।

कहालीकि सच्चायी को लायी मन सी विश्वास करन सी हम परमेश्वर को संग सही सम्बन्ध म आवय हय; अऊर मुंह सी कबूल करन सी मुक्ति पावय हय।

यूहन्ना 3:16,17 “कहालीकि परमेश्वर न जगत सी असो प्रेम करयो कि ओन अपनो एकलौतो टुरा दे दियो, ताकि जो कोयी ओको पर विश्वास करेंन त ऊ नाश नहीं होयेंन, पर अनन्त जीवन ख प्राप्त करेंन। परमेश्वर न अपनो टुरा ख जगत म येकोलायी नहीं भेज्यो कि जगत को न्याय करे, पर येकोलायी कि जगत ओको द्वारा उद्धार पाये।”

१ यूहन्ना 5:11-13 अऊर वा गवाही या हय कि परमेश्वर न हम्ख अनन्त जीवन दियो हय, अऊर यो जीवन ओको बेटा म हय। जेको जवर बेटा हय, ओको जवर जीवन हय; अऊर जेको जवर परमेश्वर को बेटा नहाय, ओको जवर जीवन भी नहाय। मय न तुम्ख, जो परमेश्वर को बेटा को नाम पर विश्वास करय हय, येकोलायी लिख्यो हय कि तुम जानो कि अनन्त जीवन तुम्हरो हय।

मत्ती 8-9; मरकुस 1-2, 4; लूका 4, 8; यूहन्ना 2

Storyline by: Edward D. Hughes

Illustrated by: Byron Unger, Lazarus and Alastair Paterson

Adapted by: E. Frischbutter; Sarah S.

Lodhi Bible (lbm) © The Word for the World International and Lodhi Translation Samithi, Gondia, Maharashtra 2025

https://www.bible.com/en-GB/bible/2788/MAT.1.LII25

©2026 Bible for Children, Inc.
www.M1914.org www.bibleforchildren.org